NCERT SOLUTIONS

CLASS - 11th



aglasem.com

Class : 11th
Subject : History
Chapter : 11
Chapter Name : आधुनिकीकरण के रास्ते

Q1 मेजी पुनर्स्थापना से पहले की वह घटनाएं क्या थीं, जिन्होंने जापान की तीव्र आधुनिकीरण को संभव किया?

Answer. मेजी की पुनर्स्थापना से पहले और छींग राजवंश के पतन के साथ ही जापान एक औद्योगिक अर्थ तंत्र के रूप में उभरने लगा था। इसके साथ ही सामाजिक संगठन को समझने के लिए जापान में इतिहास लेखन की एक लंबी परंपरा रही। 16 वीं शताब्दी के अंत तक जापान में कई परिवर्तन आए जिनमें पहला किसानों से हथियार ले लिया जाना था जिससे शांति व्यवस्था को बल मिला। दूसरा दैम्यो को अपने क्षेत्रों की राजधानियों में रहने के लिए आदेश दिए गए जिसके लिए काफी हद तक उन्हें स्वायत्तता प्रदान की गई। तीसरा मालिकों और करदाताओं का निर्धारण करने के लिए जमीन का सर्वेक्षण किया गया और उत्पादकता के आधार पर भूमि का वर्गीकरण किया गया। इसके साथ ही जापान से रेशम का आयात कम कर दिया गया। चावल का शेयर बाज़ार शुरू किया गया।

Page : 258 , Block Name : संक्षेप में उत्तर दीजिये

Q2 जापान के विकास के साथ-साथ वहां की रोजमर्रा की जिंदगी में किस तरह बदलाव आए चर्चा कीजिए|

Answer. जापान में विकास के साथ-साथ पश्चिमी परंपरा के अनुकरण पर विशेष ध्यान दिया गया जापानी बुद्धिजीवी पश्चिमी उदारवाद की सराहना करते थे और जापान को एक लोकतांत्रिक शक्ति के रूप में विकसित करना चाहते थे इसी क्रम में महिलाओं के लिए मताधिकार की व्यवस्था की गई निश्चित रूप से आधुनिक समाज के रूपांतरण से जापानी यू कि रोजमर्रा की जिंदगी में व्यापक परिवर्तन हुए जिसमें परिवार व्यवस्था में वे व्यापक परिवर्तन महत्वपूर्ण थे इसके साथी नए घरेलू उत्पादों पारिवारिक मनोरंजन इत्यादि में रोजमर्रा के जीवन को सहज और सुलभ बना दिया

Page : 258 , Block Name : संक्षेप में उत्तर दीजिये

Q3 पश्चिमी ताकतों द्वारा पेश की गई चुनौतियों का सामना छींग राजवंश ने कैसे किया?

Answer. पश्चिमी ताकतों की औपनिवेशिक नीतियों के विरुद्ध छींग राजवंश ने कई नीतियां बनाई औए लम्बे अरसे तक उनका सामना किया। लंबे समय से चली आ रही कंफ्यूशियस्वादी विचारधारा का उन्मूलन हुआ साथ ही सामाजिक, सैन्य, व्यापार और शिक्षा से संबंधित अनेक सुधार किए गए। चीन में राष्ट्रीयता की भावना और प्रबल संवैधानिक गणतंत्र की स्थापना की दिशा में प्रयास शुरू किए गए। चीनी विचारकों ने इस क्षेत्र में औपनिवेशिक राष्ट्रों के उदाहरण सामने रखकर सामान्य जन मानस में गणतंत्र की चेतना का विकास किया।

Page : 259 , Block Name : संक्षेप में उत्तर दीजिये

Q4 सन यात-सेन के तीन सिद्धांत क्या थे?

Answer. सन यात-सेन के नेतृत्व में 1911 में मांचू साम्राज्य के पतन के बाद चीन में गणतंत्र की स्थापना की गई। सन यात- सेन चीन के भविष्य को लेकर चिंतित थे, इसी क्रम में उन्होंने 3 सिद्धांत जिन्हें सन मिन चुई कहा जाता है दिए। जो इस प्रकार हैं-

1. राष्ट्रवाद की स्थापना
2. साम्राज्य वादियों को हटाना और गणतंत्र की स्थापना
3. पूंजी का नियमन

Page : 259 , Block Name : संक्षेप में उत्तर दीजिये

Q5 कोरिया ने 1997 में विदेशी मुद्रा संकट का सामना किस प्रकार किया?

Answer. व्यापार घाटे में बढ़ोतरी, वित्तीय संस्थानों द्वारा खराब प्रबंधन, संगठनों द्वारा बेईमान व्यापारिक संचालन आदि कारणों से 1997 में विदेशी मुद्रा संकट का सामना कोरिया को करना पड़ा। यद्यपि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा वित्तीय सहायता के जरिए इस संकट से उबरने का प्रयास किया गया उसके बाद भी कोरियाई नागरिकों ने गोल्ड कलेक्शन मूवमेंट के माध्यम से विदेशी ऋण भुगतान में अपनी मुख्य भूमिका अदा की और कोरिया को विदेशी मुद्रा संकट से उबारने का सफल प्रयत्न किया।

Page : 259 , Block Name : संक्षेप में उत्तर दीजिये

Q6 क्या पड़ोसियों के साथ जापान के युद्ध और उसके पर्यावरण का विनाश तीव्र औद्योगिकीकरण की जापानी नीति के चलते हुआ।

Answer. जापान के औद्योगिक विकास का ढांचा निश्चित रूप से पूंजीवादी सिद्धांतों पर आधारित था। यद्यपि इसका परिणाम स्वयं जापान के लिए अच्छा नहीं रहा और उसे कई युद्दों का सामना करना पड़ा 1945 में आंग्ल-अमेरिकन सैन्य शक्ति के आगे उसे हार भी माननी पड़ी। औद्योगिक विकास के क्रम में न केवल जापान ने अपनी परंपरागत वृत्ती को परिवर्तित किया साथ ही अनेक सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन भी जापान में हुए खासकर जापान की जनसंख्या में हुई वृद्धि इस दिशा में एक नकारात्मक पक्ष था। इस विकास का ढांचा इतना विस्तृत था कि जापान में शुरुआत में जापानी कारखानों में मजदूरों कि संख्या कम थी। लेकिन 20वीं शताब्दी के तीसरे दशक तक इस समस्या का सामाधान भी हुआ। कारखानों में मजदूरों कि संख्या में इजाफा हुआ। लेकिन उद्योग के तीव्र विकास से पर्यावरण को खासा नुकसान हुआ। इस दिशा में किया गया तनाको शोजो का अभियान इस समस्या की गंभीरता को दर्शाता है। उन्होने सरकार का ध्यान इस तरफ खीचने का पूरा प्रयास किया। आगे 1945 में हुए परमाणु हमले से उत्तरार्ध की हवाएँ दूषित हुई और यह कहा जा सकता है कि पड़ोसियों के साथ जापान के युद्ध और उसके पर्यावरण का विनाश तीव्र औद्योगिकीकरण की जापानी नीति के चलते हुआ।

Page : 259 , Block Name : संक्षेप में निबंध लिखिए

Q7 क्या आप मानते हैं कि माओ त्सेतुंग और चीन के साम्यवादी दल ने चीन को मुक्ति दिलाने और उसकी मौजूदा कामयाबी की बुनियाद डालने में सफलता प्राप्त की?

Answer. रूसी क्रांति के उपरांत 1921 में चीन में साम्यवादी पार्टी की स्थापना हुई। निश्चित रूप से यह कौमिन्टर्नऔर सोवियत संघ की उस विचारधारा से प्रभावित थे जिसका आधार मार्क्सवादी था और जिनका मानना था कि मजदूर वर्गों के जरिए ही शहरी इलाकों में क्रांति आएगी। माओ त्सेतुंग(1893-1976) किसानों पर आधारित एक क्रांति का आगाज किया उनके नेतृत्व में चीनी साम्यवादी पार्टी एक शक्तिशाली राजनीतिक ताकत के रूप में उभरी और कुओमीनतांग पर जीत दर्ज की। 1928-34 के बीच उनके परिवर्तन वादी विचारों को विस्तार मिला जिसमें उन्होंने जियांगसी और कुओमिनतांग में अनेक शिविर बनाये। मजदूर किसान परिषद का गठन किया और साथी आजाद सरकार और सशस्त्र सैन्य व्यवस्था पर जोड़ दिया उन्होंने महिलाओं की समस्या को भी अपने विचारों के केंद्र में रखा शादी के नए कानून बनाये।

माओ की मुख्य चिंता 'समाजवादी व्यक्ति' के निर्माण और विकास की थी, जिनमें पांच तत्वों का अंतर्निहित होना आवश्यक था। यह तत्व थे पितृभूमि, जनता, काम, विज्ञान और जन संपत्ति। इसी क्रम में 1965 में महान सर्वहारा 'सांस्कृतिक क्रांति' की शुरुआत हुई। अतः यह निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि माओ और चीन के साम्यवादी दलों ने चीन को मुक्ति दिलाने और उसकी मौजूदा कामयाबी की बुनियाद डालने में सफल एवं आवश्यक भूमिका निभाई।

Page : 259 , Block Name : संक्षेप में निबंध लिखिए

Q8 क्या साउथ कोरिया की आर्थिक वृद्धि ने इसके लोकतंत्रीकरण में योगदान दिया?

Answer. 19वीं शताब्दी के अंत से ही कोरिया को यूरोपीय औपनिवेशिक ताकतों के साथ-साथ चीन और जापान के विविध दवाओं को झेलना पड़ा। जापानियों द्वारा किए गए सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन ने कोरियाई जनता में असंतोष की भावना को बल दिया। 1945 में द्वितीय विश्वयुद्ध में जापान की हार के बाद कोरिया का स्वतंत्रता अभियान तेज हुआ। 1948 तक उत्तर और दक्षिण कोरिया में अलग-अलग सरकारी स्थापित हो गईं। 1948 में दक्षिण कोरिया के पहले राष्ट्रपति सिंगमैन री सत्ता में आये किंतु उनकी भ्रष्ट नीतियों के चलते कोरिया में 1960 में 'अप्रैल क्रांति' का आगाज हुआ। इसका परिणाम यह हुआ कि अनेकों सुधारवादी मांगे उठी किंतु 1961 में सैन्य अधिकारियों द्वारा सरकार को उखाड़ फेंका गया।

आगे 1963 में चुनाव के माध्यम से पार्क चुंग ही राष्ट्रपति बने और उन्होंने अनेक आर्थिक योजनाओं के द्वारा कोरिया की आर्थिक नीतियों में परिवर्तन किए 1971 में उन्हें उनकी व्यापक सफलताओं के कारण पुनः राष्ट्रपति चुना गया किंतु "आपातकालीन नियम" इनकी सत्ता पलट का कारण बना। आगे 1989 में चुन डू हवन यहां के राष्ट्रपति बने, जबकि कोरिया में लोकतंत्रीकरण की मांग के पक्ष में आंदोलन होते रहे। 1980 के अंत तक चुन यू सूईन संविधान की नीतियों के तहत अप्रत्यक्ष चुनाव के माध्यम से राष्ट्रपति बने किंतु से लोकतांत्रिक प्रभाव में कोई परिवर्तन दर्ज नहीं किया गया। मई 1987 में लोकतंत्र के पक्ष में आंदोलनरत छात्रों के ऊपर किए गए अत्याचार के बाद सामान्य जनमानस बड़े पैमाने पर लोकतंत्र के पक्ष में उतरा और प्रशासन को मजबूर करने के लिए व्यापक स्तर पर आंदोलन हुए। इससे नागरिकों को सीधे चुनाव का अधिकार मिला, और कोरियाई लोकतंत्र का एक नया स्वरूप उभरकर सामने आया।

Page : 259 , Block Name : संक्षेप में निबंध लिखिए